दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन

(ऑफलाइन एवं ऑनलाइन माध्यम)

विषय

सरकारी शैक्षिक संस्थानः वर्तमान परिदृश्य एवं चुनौतियाँ

24-25 मार्च, 2023

आयोजक

गुहार

सहयोगी

दिगम्बर जैन महाविद्यालय

(चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, उत्तर प्रदेश से संबद्ध)

स्थानः दिगम्बर जैन महाविद्यालय, बड़ौत (बागपत), उत्तर प्रदेश

संरक्षक
डॉ. वीरेंद्र सिंह
प्राचार्य, दिगम्बर जैन महाविद्यालय, बड़ौत (बागपत)

संयोजक
श्री दीपक कुमार
अध्यक्ष, गुहार

सह–संयोजक
डॉ. किरन गर्ग
सहायक प्राध्यापक, दिगम्बर जैन महाविद्यालय, बड़ौत (बागपत)

कार्यकारी आयोजन समिति

डॉ. दीपक जैन
दिगम्बर जैन महाविद्यालय, बड़ौत

डॉ. रविन्द्र कुमार
गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार

डॉ. रोहित भारती
श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार

डॉ. राहुल चिमूरकर
देशबंधु कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

श्री दिव्यांशु शंगारी
सदस्य, गुहार

श्री देवराज चौहान
सदस्य, गुहार

गुहार का परिचय

'गुहार' (Global Upliftment of Human Advocacy & Rights) एक गैर सरकारी संगठन है, जिसकी स्थापना अगस्त, 2018 में हुई थी। यह संस्था समतामूलक समाज के निर्माण में प्रतिबद्ध व्यक्तियों का एक समूह है। इस संस्था का मुख्य उद्देश्य समाज में प्रचलित असमानता को समाप्त करना, भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों को लागू करवाना एवं प्रगतिशील समाज की ओर निरंतर अग्रसर रहना है। गुहार का कार्य क्षमता निर्माण, ज्ञान निर्माण और नीति समर्थन के माध्यम से वंचितों के सशक्तिकरण पर केंद्रित है। गुहार द्वारा 'लोकतंत्र को सभी के लिए काम करने' के समग्र परिप्रेक्ष्य में पहल की जा रही है। गुहार न्याय, स्वतंत्रता, शांति और एकजुटता के मूल्यों पर आधारित समाज के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। 2 अक्तूबर, 2018 में 'गुहार' द्वारा शिक्षा परियोजना "नई तालीम" को गाँव लुहारी, जिला बागपत, उत्तर प्रदेश में शुरू किया गया था। वर्तमान तक 'गुहार' द्वारा तीन केन्द्रों में 600 से अधिक छात्रों लाभान्वित हो चुके है। गुहार द्वारा विगत वर्षों में विभिन्न विषयों पर सेमीनार/वेबिनार का आयोजन अनेक शिक्षा संस्थानों में छात्रों के लिए अभिप्रेरण एवं काउन्सलिंग कार्यक्रम, वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं अन्य सामाजिक गतिविधियों आदि का आयोजन किया जाता रहा है। (अधिक जानकारी के लिए वेबसाईट http://www.guhar.org देखें।)

दिगम्बर जैन कॉलेज का परिचय

बड़ौत नगर में 20 जनवरी, 1916 को कुछ प्रबुद्ध दिगम्बर जैन दानवीर एवं यशस्वी मनीषियों द्वारा एक प्राथमिक विद्यालय की आधारशिला रखी गई, वह आज दिगम्बर जैन महाविद्यालय (चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय से सम्बद्ध) के रूप में प्रतिष्ठित है। 1947 में महाविद्यालय में स्नातक और 1960 में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की शुरुआत की गयी। इस संस्था के संस्थापकों का मानना था कि यदि युवा मस्तिष्क को गुणवत्तापरक शिक्षा देने के साथ सामाजिक जिम्मेदारियों का भी अहसास कराया जाए तो यह देश सभी प्रकार की चुनौतियों का सामना कर सकता है। इसके लिए छात्रों की अपने अध्ययन के दौरान कक्षा आधारित शिक्षा के साथ अतिरिक्त गतिविधियों में भी भागीदारी होनी चाहिए।

वर्तमान में महाविद्यालय में 16 विभाग है, जिनमें 10 विभाग स्नातकोत्तर (हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, भूगोल, इतिहास, मनोविज्ञान, अर्थशास्त्र, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान एवं गणित) तथा 6 विभाग स्नातक (वाणिज्य, सांख्यिकी, शिक्षा, राजनीति विज्ञान, चित्रकला तथा शारीरिक शिक्षा एवं खेल कूद) है। संस्था में छात्र–छात्राओं के लिए एन.सी.सी., एन.एस.एस., रोवर्स, रेंजर्स की अनेक इकाइयों के अतिरिक्त खेलकूद विभाग में भारत्तोलन, शक्तित्तोलन, शरीर सौष्ठव, शूटिंग आदि के अतिरिक्त अनेक इंडोर एवं आउटडोर खेलों के प्रशिक्षण की सुविधा है, जिनका लाभ लेकर संस्था के प्रतिभावान खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चयनित होकर संस्था का गौरव बढ़ाते रहे है। (अधिक जानकारी के लिए वेबसाईट http://www.djcollege.in देखें।)

सम्मेलन की पृष्ठभूमि

शिक्षा मानव समाज में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भारत में समय–समय पर अनेक गठित आयोगों द्वारा शिक्षा के दोषों का उल्लेख किए जाने के उपरान्त भी स्थिति में आशानुरूप परिवर्तन नहीं हो सका है। भारत की वर्तमान राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) का उद्देश्य भारत की नई शिक्षा प्रणाली की दृष्टि को रेखांकित करने वाले स्कूल और उच्च शिक्षा संस्थान दोनों हैं। NEP 2020 के माध्यम से, भारत सरकार ने हमारे देश की स्कूल और उच्च शिक्षा प्रणाली में परिवर्तनकारी और गतिशील सुधार का मार्ग प्रशस्त किया है। नीति की परिकल्पना है कि हमारे संस्थानों के पाठ्यक्रम और शिक्षाशास्त्र को छात्रों के बीच मौलिक कर्तव्यों और संवैधानिक मूल्यों के प्रति सम्मान की गहरी भावना, अपने देश के साथ संबंध और बदलती दुनिया में अपनी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के प्रति सचेत जागरूकता विकसित करनी चाहिए।

सम्मेलन का महत्व

वर्तमान में भारत दुनिया का सर्वाधिक युवा जनसंख्या वाला लोकतांत्रिक देश है। हालांकि, भारत को विकसित देश और सुपर पावर बनने के लिए यह जरूरी है कि इस लोकतांत्रिक लाभांश (हमारे देश की युवा पीढ़ी) को तकनीकी कौशल के साथ सही दिशा, सही दृष्टिकोण और सबसे महत्वपूर्ण मूल्यों एवं आत्मविश्वास के साथ तैयार किया जाए। इसी सन्दर्भ में देश के सर्वांगीण एवं बहुमुखी विकास के लिए शिक्षा की परम आवश्यकता है एवं अच्छी शिक्षा के लिए योग्य शिक्षकों की।

हममें से बहुत से लोग शिक्षक के रूप में या शिक्षकों के साथ अनेक तरह से अनेक मंचों पर काम करते रहे हैं। इन सभी अनुभवों को व्यवस्थित करने की और एक–दूसरे के साथ साझा करने की जरूरत है। दो दिवसीय के इस सम्मेलन का उद्देश्य इन्हीं सवालों पर सामूहिक रूप से विचार विमर्श करना है। इस विचार–विमर्श में शिक्षा से सीधे जुड़े अधिक से अधिक लोग शामिल हो सकें इसके लिए आवश्यक है कि जहाँ तक संभव हो इस संवाद को हम राजकीय भाषा हिन्दी में ही प्रेषित करने का प्रयास करें।

शोध पत्र आमंत्रण

गुहार द्वारा आयोजित इस सम्मेलन में शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, शिक्षा अधिकारियों, पाठ्यक्रम/शिक्षण अधिगम सामग्री विकासकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं आदि को सम्मेलन के विषय से सम्बंधित मूल शोध पत्र, समीक्षा, लेख, केस स्टडी भेजने के किए आमंत्रित किया जाता है।

सम्मेलन के उप–विषय

इस सम्मेलन के विषय को हम विभिन्न प्रकरणों में बाँटकर देख सकते हैं और इन पर क्रमिक ढंग से विचार करते हुए एक समग्र दृष्टिकोण विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं:

- नई शिक्षा नीति 2020।
- शिक्षा में प्रौद्योगिकी का प्रयोग।
- शिक्षा में सामुदायिक भागीदारी।
- प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च सरकारी शिक्षा में चुनौतियाँ एवं समाधान।
- शिक्षक स्वायत्तता (Autonomy) बनाम उत्तरदायित्व (Accountability)।
- शिक्षा आयोग और उनकी संस्तुतियों (Report) के प्रभाव का विश्लेषण।
- स्वदेशी शिक्षण व्यवस्था (गाँधीजी, टैगोर, विवेकानन्द, विनोबा भावे आदि)।
- शिक्षा में दार्शनिक, समाजशास्त्रीय और मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण।
- वर्तमान परिप्रेक्ष्य में नैतिकतापूर्ण, गुणवत्तापूर्ण व व्यक्तित्व–निर्माण केन्द्रित शिक्षा।
- शिक्षा का व्यापारीकरणः शिक्षा की गुणवत्ता में पतन?
- शिक्षा में राजनीति : प्राथमिक से उच्च शिक्षा।
- शिक्षण, ज्ञान, कौशल और क्षमता के मानक।
- शिक्षा नेतृत्व, पाठ्यक्रम विकास और प्रभावी शिक्षाशास्त्र के लिए शोध।
- शिक्षा से सम्बंधित अन्य किसी भी विषय पर।

महत्त्वपूर्ण तिथियाँ

- लेख सार भेजने की अंतिम तिथिः **12 मार्च, 2023**
- पूर्ण लेख भेजने की अंतिम तिथिः **20 मार्च, 2023**
- पंजीकरण की अंतिम तिथिः **12 मार्च, 203**

शोध लेख सार एवं पूर्ण लेख सम्बंधित दिशा–निर्देश

- शोध लेख सार की अधिकतम सीमा 350 शब्द एवं पूर्ण लेख की अधिकतम सीमा 4000 शब्द है।
- शोध लेख सार को पंजीकरण के समय गूगल फॉर्म के माध्यान से अपलोड किया जाना हैः https://forms.gle/NtfodD3NVWkJgxax6
- पूर्ण लेख (Full Paper) को ई.मेल द्वारा पर भेजा जाना हैंः guhar.conference@gmail.com
- लेख सार और पूर्ण लेख को केवल एम.एस. वर्ड फॉर्मेट में टाइप की गई सॉफ्ट कॉपी (हिन्दी में फॉन्ट 'यूनिकोड' फॉन्ट साइज़ '14'; in English, font 'Time New Roman', font size '12') में भेजें।
- शोध सार तथा पत्र में शीर्षक, लेखक के नाम, पता, ई. मेल एवं फोन न. का उल्लेख स्पष्ट रूप से किया जाए।
- किसी अन्य जानकारी अथवा पूछताछ के लिए फोन द्वारा 9560931074 पर या ई.मेल द्वारा guhar.conference@gmail.comपर संपर्क कर सकते है।

सम्मेलन कार्यवाही

उच्च गुणवत्ता वाले चयनित पत्रों को ISBN/ISSN नंबर के साथ पुस्तक/पत्रिका के रूप में प्रकाशित किया जाएगा।

पंजीकरण विवरण

इच्छुक प्रतिभागी निम्न चरणों द्वारा राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए पंजीकरण कर सकते हैः

- पंजीकरण शुल्क पत्र प्रस्तोताओं (शिक्षाविदों तथा अन्य) के लिए 800 रुपए, शोधार्थियों के लिए 600 रुपए तथा प्रतिभागियों के लिए 250 रुपए है।
- शुल्क भुगतान दिए गए बैंक खाते में IMPS/NEFT के माध्यम से अथवा www.guhar.org वेबसाइट पर दिए गए लिंक द्वारा कर सकते है।

  बैंक का नामः Axis Bank, Kamla Nagar, Delhi — **खाता धारक नामः** GUHAR

  खाता संख्याः 918010089061292 — **IFSC:** UTIB0003291

  नोटः पंजीकरण शुल्क अप्रतिदेय है।

- राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए पंजीकरण केवल ऑनलाइन माध्यम से करना होगाः https://forms.gle/NtfodD3NVWkJgxax6
- आयोजकों की ओर से प्रतिभागियों और पत्र प्रस्तोताओं को कोई टीए/डीए प्रदान नहीं किया जाएगा।
- महाविद्यालय के पास अपना कोई अतिथि गृह उपलब्ध नहीं है। अतः आवास हेतु इच्छुक प्रतिभागी 10 मार्च, 2023 तक संयोजक को सूचित कर दे। शहर में होटल एवं धर्मशाला उपलब्ध हैं, जो महाविद्यालय परिसर के पास है। इस मद पर होने वाले खर्च को प्रतिभागियों द्वारा स्वयं वहन किया जाएगा।

बड़ौत शहर

दिल्ली-सहारनपुर मार्ग पर स्थित बड़ौत शहर उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में स्थित एक नगर और तहसील है। बाबा शाहमल के नेतृत्त्व में यह 1857 की क्रांति के दौरान प्रसिद्ध केंद्र रहा। यह शहर दिल्ली से 55 किमी एवं मेरठ से 50 किमी दूर है तथा यहाँ से नियमित रूप से बस सेवाओं से जुड़ा हुआ है।

परामर्श मण्डल

- **प्रो सोमदेव शतांशु**, माननीय कुलपति, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार, उत्तराखंड।
- **डॉ. रणपाल सिंह**, माननीय कुलपति, चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा विश्वविद्यालय, जींद, हरियाणा।
- **प्रो. करम तेज सिंह सराव**, माननीय प्रतिकुलाधिपति, स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ एवं पूर्व विभागाध्यक्ष, बौद्ध अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
- **प्रो. उमा शंकर पाण्डेय**, प्राचार्य, स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग एवं ओएसडी, कैंपस ऑफ ओपन लर्निंग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
- **प्रो. नरेंद्र सिंह,** प्राचार्य, जाकिर हुसैन दिल्ली कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
- **प्रो. राम शर्मा**, प्राचार्य, श्री सुदृष्टि बाबा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बलिया, उत्तर प्रदेश।
- **श्री कविन्द्र तालियान**, सीईओ, अटल इन्क्यूबेशन सेंटर, सदस्य– संचालन समिति, संचार मंत्रालय, भारत सरकार।
- **प्रो. पवनेश कुमार**, विभागाध्यक्ष, प्रबंधन विज्ञान विभाग पंडित मदन मोहन मालवीय स्कूल ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट साइंसेज, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार।
- **प्रो. हेमवती नंदन**, प्राध्यापक, भौतिक विज्ञान विभाग, हेमवती नंदन बहुगुणा विश्वविद्यालय, श्रीनगर, उत्तराखंड।
- **प्रो. विनय कुमार**, प्राध्यापक, इतिहास विभाग, अनुग्रह नारायण कॉलेज, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना, बिहार।
- **डॉ आनंद प्रताप सिंह**, विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान और मानसिक स्वास्थ्य विभाग, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा, (उत्तर प्रदेश)।
- **डॉ. ओमपाल सिंह** (राष्ट्रपति पुरस्कृत) पूर्व प्राचार्य– सनातन धर्म इन्टर कॉलेज, मेरठ, उत्तर प्रदेश एवं पूर्व सदस्य. उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक सेवा चयन बोर्ड इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश।
- **डॉ. राजपाल भुल्लर**, सह-प्राध्यापक, राजनीति विज्ञान विभाग, डी. ए. वी. कॉलेज, नन्यौला, अम्बाला, हरियाणा।
- **डॉ. शिन्जिता अग्रवाल**, सह-प्राध्यापक, सांख्यिकी विभाग, दिगम्बर जैन कॉलेज, बड़ौत, उत्तर प्रदेश।
- **डॉ. सुनीता**, सह-प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, दिगम्बर जैन कॉलेज, बड़ौत, उत्तर प्रदेश।
- **डॉ. विनय कुमार**, सहायक प्राध्यापक, समाज कार्य विभाग, जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू, जम्मू-कश्मीर।
- **डॉ. संदीप कौशिक**, सहायक प्राध्यापक, पर्यावरण विज्ञान विभाग, इन्द्रा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश।
- **डॉ. विनोद कुमार**, सहायक प्राध्यापक, रसायन विज्ञान विभाग, जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, दिल्ली।
- **श्री शुधांशु सिंह**, प्रिंसिपल कंसलटेंट, फीडबैक इन्फ्रा प्राइवेट लिमिटेड, गुरुग्राम, हरियाणा।
- **श्री विकास मालिक**, प्रधानाध्यापक, पूर्व माध्यमिक विद्यालय, इदरीशपुर, बागपत एवं बेसिक शिक्षा जिलाअध्यक्ष, बागपत, उत्तर प्रदेश।

गुहार कार्यकारिणी सदस्यः **श्री लवकेश** (सिक्योरिटीज़ एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ़ इंडिया), **श्री नितांशु अदलखा** (सिंडिकेट बैंक), **श्री प्रदीप कुमार सोहगौरा** (फूड कारपोरेशन ऑफ़ इंडिया), **श्री कौस्तुभ मणि सिंह** (समाज सेवी), **श्री सुरजीत गोगोई** (शिक्षक), **शुश्री ज्योति द्विवेदी** (शिक्षिका), एवं **श्रीमती मनीषा विश्नोई** (शिक्षिका)।